कुल पृष्ठ संख्या–24 (कवर पेज सहित)

क्रम संख्या 2625827

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

माध्यमिक परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)

नोट :– परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी ☒ अंग्रेजी ☑

विषय SANSKRITAM

परीक्षा का दिन SATURDAY

दिनांक 08-04-2023

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य हैं, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदाहरणार्थ : 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी
(परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1	02	19	04
2	04	20	04
3	02	21	04
4	10	22	04
5	03	23	04
6	04	24	
7	03	25	
8	03	26	
9	04	27	
10	02	28	
11	06	29	
12	03	30	
13	02	31	
14	02	योग	80
15	02	प्राप्त अंकों का कुल योग (Round off)	
16	02	अंकों में	शब्दों में
17	03	80	अस्सी
18	03		

परीक्षक के हस्ताक्षर ________ संकेतांक 59157

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में 58 जी.एस.एम. ईको मैपलिथो कागज ही उपयोग में लिया गया है।175/2023

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका, उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंषा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटे।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी।
   - (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   - (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये। परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
   - (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध हैं।
   - (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिखकर लावें। टेबुल के आस–पास कोई अवैध सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   - (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटे।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित है। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

* खण्ड – अ *

1. (i) (अ) सहोदरौ ।
(ii) (स) असत्यम् ।

2

2. (i) (स) धूमम् + मृज्जाति (अनुस्वार:) ।
(ii) (अ) अन्त: + जगति (रुत्वम्) ।
(iii) (ब) सच्चित (श्चुत्वम्) ।
(iv) (स) हरिस्त्राता (सत्वम्) ।

4

3. (i) (ब) न + अव + सीदति ।
(ii) (स) निर् + अर्थकम् ।

2

4. (क) (i) (ब) स्वार्थत्याग: ।
(ii) (अ) भारतीया संस्कृति: ।
(iii) (स) भारतीय सभ्यतायाः ।
(iv) (द) साफल्यम् ।

4

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(ख) (i) त्यागभावना।
(ii) परेषां कल्याणं।

(ग) (i) भारतीयसभ्यता पुनः परेषाम् उपकाराय निजस्वार्थान् त्यक्तुं प्रेरयति।
(ii) भारतीया संस्कृतिस्तु सर्वथा आध्यात्मिकी, भोग स्थाने योगमेव शिक्षयति।

(घ) अस्य गद्यांशस्य समुचितं शीर्षकं –
'भारतीया महान् संस्कृति च सभ्यता'।
अथवा 'त्यागस्य महत्वं'।

(ङ.) संक्षिप्तीकरणं → मानव जीवनस्य साफल्यं त्यागेनैव भवितुः महति, न तु भोगेन। भारतीयसभ्यता परेषाम् उपकाराय निजस्वार्थान् त्यक्तुं प्रेरयति। भारतीया संस्कृति परेषा कार्यसिद्धये स्वकीयस्वार्थत्यागः करणीय इति प्रेरयति। वैदिक महर्षिभिः अपि उद्घोषितः "तेन त्यक्तेन भुञ्जीथा मा गृधः कस्यस्विद्धनम्" इति।

5. (i) महान् च असौ वृक्षः (कर्मधारय)।
(ii) ~~पिककाकौ~~ पिककाकौ (द्वन्द्व) / पिककाकस्य (षष्ठी तत्पुरुष)

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

* खण्ड – ब *

5. (i) महान् च असौ वृक्षः (कर्मधारय)।
(ii) ~~पिककाकयौ~~ काक पिकयोः / पिककाकयोः (द्वन्द्व)।
(iii) विमूढा धीः यस्य सः (बहुव्रीहि)।

3

6. (i) द्वितीया विभक्ति – 'विना' इति योगे।
(ii) तृतीया विभक्ति – 'सङ्गमनुव्रजन्ति (सङ्गम)' इति योगे।
(iii) षष्ठी विभक्ति – 'समीपे' इति योगे।
(iv) षष्ठी विभक्ति – 'सम्बन्धस्य' योगे।

4

BSER-175/2023

7. (i) अत्यादरः शङ्कनीयः।
(ii) महाकम्प + ल्यूट् ~~जानत~~ जनयति।
(iii) सम + त्व तस्यतः इति।

3

8. (i) वर्षाकाले सर्वत्र जलोपप्लवः भवति।
(ii) अपि कुशलं महाराजस्य।
(iii) योजकः तत्र दुर्लभः।

2

9. (क) (i) आवाम् यमलौ।
(ii) गुरवे नमः।

(ख) (i) युवां कलहं कुरुथः।
(ii) गुरोः छात्राः ज्ञानं लभन्ते।

4

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

10. (i) 130 – त्रिंशदधिकएकशतम् ।
(ii) 445 – पंचचत्वारिंशदधिकचतुश्शतम् ।

2

* खण्ड – स *

11. (अ) (i) चातकः ।
(ii) चन्दनदासः ।
(iv) अहितम् ।
(v) अतिथिः (अभियुक्तः) ।

(आ) (i) हरिततरूणां ललितलतानां माला रमणीया ।
(iii) सा गहनकानने व्याघ्रं ददर्श ।
(iv) उपनयनोपदेशेन सम्बन्धेन बाल्मीकिः लवकुशयोः गुरुः ।

6

(vi) वसन्तस्य गुणं पिकः वेत्ति ।

12. (i) कस्मै सुपात्रं चीयते ?
(ii) कस्याः द्वे नामनी ?
(iii) कः ताम् अपृच्छत् ?

2

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

13. अन्वयं → राज्ञः सुखं प्रजासुखे भवति, च तस्य हितं प्रजानां हितम् अस्ति। आत्मप्रियं तस्य हितम् न भवति,प्रजानां हितं प्रियं तु राज्ञः हितम् अस्ति।

(2)

14. अमन्त्रमक्षरं नास्ति , नास्ति मूलमनौषधम्।
अयोग्यः पुरुषः नास्ति , योजकस्तत्र दुर्लभः ॥1॥

एकः एव खगो मानी वने वसति चातकः।
पिपासितो वा म्रियते , याचते वा पुरन्दरम् ॥2॥

(2)

15. महानगरेषु शतशकटी यानं ~~धूमं मुञ्चति~~ कज्जलम् इव मलिनम् धूमं मुञ्चति। तत्र यानानां वाष्पयानमाला सम धावति च ध्वानम् वितरन्ति।

(2)

16. बुद्धिर्बलवती पाठ मूलतः 'शुकसप्तति:' से संकलित है जिसमे बुद्धिमती नामक महिला के बुद्धि-कौशल को दर्शाया गया है। पाठानुसार 'देउल' नामक गाँव मे राजसिंह नाम का राजपुत्र रहता था। एक बार उसकी पत्नी बुद्धिमती अपने दो पुत्रो के साथ किसी आवश्यक कार्यवश अपने पिता के घर गई। मार्ग मे गहन जंगल मे उसने एक बाघ को देखा। बाघ को देखते ही उसने अपने पुत्रों को धृष्टता से थप्पड़ मारकर कहा – "क्यों एक एक बाघ को खाने के लिए झगड़ रहे हैं ?, अभी इस एक को खालो बाद मे

(2)

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

कोई दूसरा देखा जाएगा।" यह सुन वह बाघ उसे 'व्याघ्रमारी' मानकर वहा से डर कर भाग गया परन्तु एक धूर्त सियार की बातों में आकर उसे अपने गले से रस्सी के द्वारा बान्धकर पुनः मार्ग मे आ गया। उन्हे देखकर उस प्रत्युत्पन्न बुद्धि वाली महिला ने उस सियार को धमकाकर फटकारा तथा भयानक रूप से उसे खाने के लिए उनकी तरफ दौड़ी। यह देख वह व्याघ्र पुनः वहा से भाग गया। इस प्रकार वह अपनी बुद्धि से व्याघ्र रूपी महान भय से मुक्त हो गई। सच ही है - 'सदा सभी कार्यों मे बुद्धि ही बलवती होती है।'

खण्ड-द

17. सह → मोहनः रामेण सह गच्छति।
नमः → गुरवे नमः।
यदि - तर्हि → यदि त्वं पठिष्यसि तर्हि त्वं उत्तीर्णं भविष्यसि।

18. (i) केशवः शनैः शनैः लिखति।
(ii) रमेशः अद्य न अपठत्।
(vi) ते संस्कृतं वदन्ति।
(iv) आवाम् पाठशालां गच्छावः।

3

3

3

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

19. प्रिय सखि सीते!

सादरं नमस्ते।

अत्र कुशलम् तत्रास्तु। सम्पूर्णदेशे रक्षाबन्धन दिवसे संस्कृत दिवसः परिपाल्यते। वयमपि तदा विद्यालये संस्कृतदिवसम् पालयामः। अहमपि संस्कृतं गीतम् गायामि। मम सखी संस्कृते भाषणम् ददाति। एषा संस्कृतभाषा सर्वभाष-जननी अस्ति। अतः मह्यम् संस्कृतं रोचते।

अस्तु नमोनमः

भवदीया सखी
लक्ष्मीः

4

20. प्रसङ्ग → यह गद्यांश हमारी संस्कृत की पाठ्यपुस्तक 'शेमुषी - द्वितीयो भागः' के पंचम पाठ 'जननी तुल्यवत्सला' से लिया गया है। मूलतः यह वेदव्यास द्वारा लिखित महाभारत के वनपर्व, दशम् अध्याय से लिया गया है। इसमें माता सुरभिः तथा इन्द्र का संवाद है -

व्याख्या → भूमि पर गिरे हुए अपने दीन पुत्र को देखकर सभी धेनुओं की माता सुरभि के आँखों में आँसु आ गए। उन्हे रोता देखकर देवराज इन्द्र ने इसका कारण पूछा - "हे

4

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

सुरभि! आप क्यो रो रही है?" तब माता ने उत्तर दिया – "हे इन्द्र! मै अपने पुत्र की दीनता को देखकर रो रही हूँ।"

21. प्रसंङ्ग → यह श्लोक हमारी संस्कृत की पाठ्यपुस्तक 'शेमुषी - द्वितीयो भागः' के षष्ठ पाठ 'सुभाषितानि' से उद्धृत है। इसमे महात्माओ के विषय मे कहा गया है कि –

व्याख्या → जिस प्रकार सूर्य उगते हुए तथा अस्त होते हुए समान रूप से लाल वर्ण का होता है, उसी प्रकार महान् लोग भी अनुकूल व विपरित परिस्थितियों, दोनो मे समान रूप मे रहते है।

22. प्रसंङ्ग → यह नाट्यांश हमारी संस्कृत की पाठ्यपुस्तक 'शेमुषी - द्वितीयो भागः' के चतुर्थ पाठ 'शिशुलालनम्' से लिया गया है। मूलतः यह दिङ्नाग द्वारा रचित 'कुन्दमाला' के पंचम अंक से उद्धृत है। इसमे राम - विदूषक एवं लव-कुश का संवाद दिखाया गया है –

व्याख्या → विदूषक – मैं फिर से पूछता हूँ। आपकी माता का क्या नाम है?

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

लव – उनके दो नाम हैं।

विदूषक – किस प्रकार ?

लव – तपोवन के वासी उन्हें 'देवी' इस नाम से पुकारते हैं तथा भगवान् वाल्मीकि 'वधू' इस नाम से।

राम – और भी, मित्र! क्षणभर के लिए यहाँ आओ।

23. गोविन्दः – भो मित्र गोपाल ! सुप्रभातम्।

गोपालः – नमोनमः।

गोविन्दः – भवान् कथम् अस्ति।

गोपालः – अहं कुशली अस्मि।

गोविन्दः – श्वः मम जन्मदिनम् भविष्यति। कृपया आगच्छ।

गोपालः – अस्तु अहं श्वः आगमिष्यामि।

गोविन्दः – भवतः भगिनीम् अपि आनयतु।

गोपालः – तस्याः स्वास्थ्यम् सम्यक् नास्ति।

BSER-175/2023

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
		गोविन्दः – भवान् आगच्छतु।
		गोपालः – अस्तु, आवां पुनः मिलावः।
		G.T. 80 अस्सी
		समाप्त

BSER 175/2023

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-175/2023

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-175/2023

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSEB 175/2023

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-17/2023

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-175/2023

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER 17(7)23

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER 178/2023

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-175-2023

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-175/2023

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-175/2023

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-175/2023

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-175/2023